कोटद्वार, शुक्रवार
13 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 284 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गैस की कालाबाजारी की तो होगी जेल

देहरादून। राजधानी में गहराते रसोई गैस संकट के बीच पूर्ति विभाग ने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। पूर्ति विभाग पुलिस के सहयोग से जिले भर में विशेष छापेमारी अभियान चलाने जा रहा है। विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि यदि कोई भी गैस की कालाबाजारी या घरेलू सिलेंडरों का कमर्शियल उपयोग करते पाया गया, तो उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल जाने तक का प्रावधान है। डीएसओ केके अग्रवाल ने बताया कि जो लोग कमर्शियल गैस की किल्लत का फायदा उठाकर कई होटल और रेस्टोरेंट संचालक घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं। इससे घरेलू उपभोक्ताओं का बैकलॉग और बढ़ रहा है। अब पूर्ति निरीक्षकों की टीमें पुलिस के साथ मिलकर रेस्टोरेंट्स, ढाबों और गोदामों की औचक चेकिंग करेंगी। यदि किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में घरेलू सिलेंडर मिला, तो उसे तुरंत जब्त कर संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दोषियों को 3 महीने से लेकर 7 साल तक की जेल हो सकती है। इसके साथ ही कालाबाजारी में संलिप्त पाई जाने वाली गैस एजेंसियों का लाइसेंस तुरंत निरस्त करने की सिफारिश की जाएगी।

सिल्ला गांव में आग लगने आवासीय मकान व सामान जलकर नष्ट

नई टिहरी। भटवाड़ी ब्लॉक के सिल्ला गांव में बृहस्पतिवार सुबह एक आवासीय मकान में अचानक आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग से भवन के साथ ही उसमें रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। दूसरी ओर बीती बुधवार देर रात्री में हर्षिल में एक घराट में आग लगने के कारण जल कर राख हो गया। आपदा परिचालन केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार को सुबह करीब नौ बजे सिल्ला में जसपाल सिंह पुत्र चैत सिंह के आवासीय भवन में अचानक आग लग गई। आग लगने की भनक लगते ही ग्रामीण एकजुट हुए और आग बुझाने में जुटे। सुबह साढ़े नौ बजे तक करीब आधा घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। आग की घटना से आवासीय भवन के साथ ही भवन में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। राजस्व प्रशासन की टीम सूचना मिलने पर गांव में नुकसान के आंकलन को पहुंची। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया। आग की इस घटना में किसी प्रकार की जन व पशु हानि की सूचना नहीं है।

ज्योतिर्मठ में भरभराकर गिरा जर्जर मकान

चमोली। नगर क्षेत्र ज्योतिर्मठ में बृहस्पतिवार को भू-धंसाव से जर्जर बना मकान भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान पीड़ित परिवार के लोग बाहर थे अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे की सूचना पर स्थानीय लोग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अब फिर से नगर क्षेत्र में जर्जर मकानों का सर्वेक्षण किया जाएगा। ज्योतिर्मठ में भू धंसाव के समय सिंहधार वार्ड में मोहन लाल के पुश्तैनी मकान पर भी कई दरारें आ गई थीं। परिवार के लोग इसी घर में रह रहे थे। दोपहर करीब एक बजे मकान का एक हिस्सा अचानक से ढह गया। इस घर में मोहन लाल, उनकी पत्नी मुन्नी देवी, छोटा भाई संतोष कुमार और पुत्र आयुष रहते हैं। मगर जिस समय मकान गिरा उस वक्त घर के सदस्य बाहर थे। ऐसे में बड़ा हादसा होने से बच गया। हादसे की सूचना पर स्थानीय लोग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। मोहन लाल ने बताया कि 2023 में भू धंसाव के बाद से उनके घर में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई थीं।

ओबीसी क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली ,सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के नॉन-क्रीमी लेयर (एनसीएल) के निर्धारण में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। 11 मार्च को कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि क्रीमी लेयर का फैसला सिर्फ माता-पिता की सैलरी या आय पर आधारित नहीं किया जा सकता, बल्कि 1993 के मूल दिशानिर्देशों के अनुसार पद की स्थिति और अन्य फैक्टर्स को भी ध्यान में रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर माता-पिता सरकारी नौकरी में ग्रुप सी या ग्रुप डी में हैं, तो उनकी सैलरी को क्रीमी लेयर तय करने के लिए नहीं जोड़ा जाएगा। साथ ही कृषि से होने वाली आय को भी पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। क्रीमी लेयर तय करने के लिए केवल 'अन्य स्रोतों से (जैसे बिजनेस, प्रॉपर्टी, किराया आदि) परिवार की कुल आय तीन लगातार वर्षों में औसतन 8 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

विकास योजनाओं के लिए प्रदान की 44.64 करोड की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के तहत जन सुविधाओं के विकास, आपदा न्यूनीकरण के प्रयासों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ पार्किंग, सामुदायिक भवनों के निर्माण, विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास आदि के लिए 44.64 करोड़ की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा नेशनल लैंडस्लाइड रिस्क मिटीगेशन प्रोग्राम (एनएलआरएमपी) विषयक कार्यशाला में एनडीएमए द्वारा सम्भावित जोखिम संवेदनशील भू-स्खलन क्षेत्रों के न्यूनीकरण हेतु प्रथम किश्त के रूप में 1.00 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न जनपदों के राजकीय औद्योगिक आस्थानों की मरम्मत/सुदृढीकरण कार्य हेतु एम०एस०एम०ई० अवस्थापना विकास मद के अन्तर्गत कुल धनराशि 1.99 करोड़, राजकीय जनजाति छात्रावास खटीमा, ऊधम सिंह नगर में विभिन्न (02) मरम्मत एवं निर्माण कार्यों हेतु 46.14 लाख एवं राजकीय जनजाति छात्रावास काशीपुर, ऊधम सिंह नगर में विभिन्न (02) मरम्मत एवं निर्माण कार्य हेतु 37.71 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर के अन्तर्गत गोर्खासंध धर्मशाला, चन्द्रबनी के जीणोद्धार एवं पार्किंग का निर्माण किये जाने हेतु 38.97 लाख, जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र मसूरी के गुनियाल गांव सामुदायिक भवन का जीणोद्धार व सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 65.93 लाख के साथ ही जिला कारागार, सितारगंज के विस्तारीकरण संबंधी कार्य हेतु 38.15 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में स्थानीय शासनों के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत ब्लॉक स्तर पर लोक स्वास्थ्य इकाईयों की वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु अनुमोदित कार्ययोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 मे 1.62 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

ई-रिक्शा पलटने से मासूम छात्र की मौत, चार घायल

काशीपुर। केलाखेड़ा क्षेत्र में गुरुवार दोपहर नेशनल हाईवे पर स्कूली बच्चों से भरा एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। बिचपुरी मोड़ के पास हुए इस हादसे में कक्षा दो के सात वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि चार अन्य छात्र-छात्राएं घायल हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया है कि ई-रिक्शा चालक वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात कर रहा था, जिससे संतुलन बिगड़ गया और दुर्घटना हो गई। पुलिस के अनुसार केलाखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव रामनगर स्थित गुरुनानक देव एकेडमी की गुरुवार दोपहर छुट्टी होने के बाद चालक शंकर बच्चों को ई-रिक्शा से घर छोड़ने जा रहा था। ई-रिक्शा में कक्षा दो का छात्र रवि (7) पुत्र रंजीत, कक्षा तीन के छात्र समर और कपिल तथा कक्षा पांच की छात्राएं खुशी और सपना सवार थी। सभी बच्चे बिचपुरी की शांति कॉलोनी स्थित अपने घरों की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर बिचपुरी मोड़ के पास अचानक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और तेज रफ्तार ई-रिक्शा बीच सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ई-रिक्शा में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग तुरंत दौड़े और बच्चों को बाहर निकाला। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई। सूचना मिलने पर केलाखेड़ा के एसएसआई विनोद सिंह फर्त्याल और एसआई हरीश महर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए रवि और समर को प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी स्थित डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया।

शिव भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी!

1 मई से शुरू होगी कैलाश यात्रा

देहरादून ,। उत्तराखंड में भगवान शिव के पवित्र धाम आदि कैलाश की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अगर मौसम ने पूरा साथ दिया, तो 1 मई से इस साल की आदि कैलाश यात्रा का भव्य आगाज हो जाएगा। प्रशासन की तैयारियों के मुताबिक, अप्रैल के आखिरी सप्ताह से ही यात्रा के लिए जरूरी 'इनर लाइन परमिट्स जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। पिछले साल इस पवित्र यात्रा में 30 हजार से ज्यादा शिव भक्तों ने नतमस्तक होकर आशीर्वाद लिया था, और इस बार श्रद्धालुओं की इस संख्या में भारी इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बर्फबारी के कारण बंद रहती है व्यास घाटी

आदि कैलाश उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ के धारचूला क्षेत्र में स्थित बेहद खूबसूरत और दुर्गम व्यास घाटी में मौजूद है। अत्यधिक ऊंचाई वाले इस इलाके में नवंबर से लेकर मार्च तक भारी बर्फबारी होती है, जिसके चलते सुरक्षा कारणों से इस यात्रा को सर्दियों के मौसम में पूरी तरह से रोक दिया जाता है। अब बर्फ पिघलने के साथ ही प्रशासन ने एक बार फिर से इस कठिन लेकिन आस्था से भरी यात्रा को शुरू करने की पूरी योजना बना ली है।

बिना 'इनर लाइन परमिट के नहीं मिलेगी एंट्री

सुरक्षा के लिहाज से आदि कैलाश की यात्रा बेहद संवेदनशील मानी जाती है। व्यास घाटी में छियालेख से आगे की यात्रा करने के लिए हर एक श्रद्धालु को 'इनर लाइन परमिट्स लेना अनिवार्य होता है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संभाला आसन

बोले-मैंने सदन की गरिमा और मर्यादा बढ़ाने का किया प्रयास

नई दिल्ली ,लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को अपना आसन संभाला। उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि सदन की गरिमा, मर्यादा और प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रही। लोकसभा स्पीकर ने कहा, मैंने हमेशा प्रयास किया कि सदन के अंदर हर सदस्य नियमों और प्रक्रिया के तहत विषय व मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करे। सभी सदस्यों को पर्याप्त अवसर देने का प्रयास किया गया। ये सदन समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने, ऐसा मैंने प्रयास किया। मैंने हमेशा प्रयास किया कि सदस्यों को सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करूं, जो संकोच करते हैं या बिल्कुल नहीं बोलते हैं। मैंने अपने दोनों कार्यकाल में समय-समय पर, जिस पर सदस्य ने विचार नहीं किया, मैंने चैंबर में बुलाकर आग्रह किया कि वे सदन में अपनी बात रखें। क्योंकि सदन में बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है और सरकार की जवाबदेही भी तय होती है। उन्होंने कहा, यह सदन विचारों व चर्चा का जीवंत मंच रहा है। हमारे संसदीय लोकतंत्र में सहमति और असहमति की महान परंपरा हमेशा से रही है। जब संविधान निर्माताओं ने स्वतंत्र भारत के लिए संविधान का निर्माण किया, तब गहन विमर्श और अनुभव के आधार पर संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था को अपनाया। आज दुनिया के अंदर संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था ही शासन चलाने की सर्वश्रेष्ठ पद्धति है। इस व्यवस्था में संसद सिर्फ कानून बनाने का मंच न होकर, राष्ट्र की लोकतांत्रिक चेतना का केंद्र बिंदु भी है। स्पीकर ओम बिरला ने आगे कहा कि संविधान के आर्टिकल 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है। मुझे इस सदन ने दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व और अवसर दिया। मैंने हमेशा प्रयास किया कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो। सभी को साथ लेकर सामंजस्य व्यवस्था और कार्यकुशलता बनाए रखने के लिए मैंने दायित्व को निभाया।

बाढ़वाला बैंड के पास स्कूटी पलटी, युवक की मौत

विकासनगर। बाढ़वाला बैंड के पास बुधवार देर रात एक स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे दो युवक स्कूटी से डुमेट में आयोजित एक शादी समारोह से लौटकर विकासनगर की ओर आ रहे थे। बाढ़वाला बैंड के समीप अचानक स्कूटी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में स्कूटी सवार आशीष त्यागी (25) पुत्र अशोक कुमार त्यागी और आशीष त्यागी (32) पुत्र ऋषि पाल, निवासी लैंडोरा, जुन्नर्धार मुंसेल, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने आशीष त्यागी पुत्र अशोक कुमार त्यागी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया स्कूटी के अनियंत्रित होकर पलटने से हादसा हुआ है।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद मुश्किलों में घिरे हार्दिक पांड्या, तिरंगे के अपमान का लगा आरोप

अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे हुए दिखाई देते हैं, जबकि उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा लिपटा हुआ था।

नई दिल्ली ,भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न के बाद स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक नए विवाद में घिर गए हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने की है, जिन्होंने मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने पुलिस को लिखित आवेदन सौंपकर क्रिकेटर के खिलाफ जांच और कार्रवाई की अपील की है। शिकायत बेंगलुरु के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, जबकि एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने हार्दिक पांड्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि भारत की जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इनमें हार्दिक पांड्या कंधे पर तिरंगा लपेटकर मैदान में दौड़ते और डांस करते दिखाई दे रहे हैं। वकील का आरोप है कि एक वीडियो में पांड्या कहा, टी20 वर्ल्ड कप के बाद जश्न के दौरान हार्दिक पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ डांस कर रहे थे और उनके पीछे राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। 1971 के राष्ट्रीय ध्वज कानून की धारा दो के अनुसार हमें तिरंगे की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लेकिन जश्न के दौरान वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लेटे हुए थे और उस समय भी राष्ट्रीय ध्वज उनके शरीर पर था। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। बिडकर ने बताया कि जब वह शिकायत दर्ज कराने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन पहुंचे तो पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए वहीं शिकायत करनी चाहिए। हालांकि उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है और उसकी गरिमा से जुड़ा मामला कहीं भी उठाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, मैंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना यहां नहीं हुई है। तब मैंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है, इसलिए यहां भी शिकायत की जा सकती है।

देश के कई हिस्सों में आग लगने की घटनाओं ने मचाई अफरा-तफरी, हजारों लोग बेघर

नई दिल्ली ,गुरुवार को दिल्ली और गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्निकांड की घटनाओं ने आम जनमानस को दहशत में डाल दिया। हालांकि, राहत एवं बचाव कार्यों द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इन हादसों ने हजारों परिवारों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। जहां कई लोग झुलसने के कारण अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, वहीं अनेक परिवारों के सिर से आशियाना छिन गया है। दिल्ली के मटियाला इलाके में देर रात मच्छी मार्केट के पास लगी भीषण आग ने करीब 400 झुग्गियों को राख कर दिया। यह आग रात 11:54 बजे रिपोर्ट की गई थी और 25 फायर टेंडरों की मदद से सुबह 3:25 बजे तक काबू पा लिया गया। इलाके में रहने वाले लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। एक स्थानीय महिला ने बताया, मुझे नहीं पता आग कैसे लगी। मैं उस समय बच्चों के साथ अस्पताल गई हुई थी, मैं यहां नहीं थी। हमारी सारी चीजें जल गईं, सब कुछ खत्म हो गया। हम बहुत गरीब है न हमारे सिर पर अब छत है और न खाने के लिए खाना।

एक अन्य महिला ने बताया, इस आगजनी में हमारा सब कुछ जलकर राख हो गया। कुछ भी नहीं बचा है। पता नहीं कौन आग लगाकर चला गया और दमकल की गाड़ियां भी एक घंटे बाद आई, जिससे सब कुछ खत्म हो गया। अब हम सब भूखे-प्यासे पड़े हैं। इसी तरह, दिल्ली के मंसाराम पार्क इलाके में भी बुधवार देर रात अचानक आग लग गई। पीएस बिंदापुर को रात 11:57 बजे इस आग की सूचना मिली। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर करीब 28 फायर टेंडर पहुंचे और रात 3 बजे तक आग पर काबू पाया गया। सौभाग्य से इस आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन करीब 80 झुग्गियां पूरी तरह जल गईं।

दिल्ली के नोएडा सेक्टर-4 में स्थित इलेक्ट्रॉनिक मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में भी गुरुवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री में रात की शिफ्ट में 200 से 250 कर्मचारी काम कर रहे थे।

राजस्थान में मार्च में ही लू का प्रकोप : बाड़मेर में पारा 40.8 डिग्री पहुंचा

जयपुर , राजस्थान में इस बार गर्मी ने समय से पहले ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मार्च के मध्य में ही पश्चिमी राजस्थान के कई हिस्सों में लू चलने लगी है। बुधवार को बाड़मेर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहाँ अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीषण गर्मी का असर पर्यटन पर भी पड़ रहा है; जयपुर के अल्बर्ट हॉल जैसे व्यस्त स्थलों पर दोपहर में सन्नाटा देखा जा रहा है। हीटवेव वाले जिले: बाड़मेर (लगातार 3 दिनों से), जैसलमेर (39.1एष्ट) और फलोदी (39.2एष्ट) में दिनभर लू का प्रभाव रहा।

अन्य शहरों की स्थिति: जयपुर, कोटा, चूरू और जोधपुर में भी पारा 37 से 38 डिग्री के बीच रहा, जो सामान्य से 5 से 7 डिग्री अधिक है। गर्मी के खतरों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी अस्पतालों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं: दवाइयों का स्टॉक: अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए पर्याप्त दवाइयां सुनिश्चित करने को कहा गया है। बेड्स का आरक्षण: जिला अस्पतालों में 10 बेड, ष्ट।ष्ट पर 3-6 बेड और क्ष।ष्ट पर 1 बेड विशेष रूप से हीटवेव मरीजों के लिए आरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एलपीजी गैस संकट पर पीएम मोदी का कड़ा रुख

मंत्रियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली । ईरान में चल रहे युद्ध के कारण देश भर में एलपीजी गैस सिलेंडरों की किल्लत और लंबी लाइनों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखी है। गुरुवार को अपने मंत्रियों के साथ हुई एक अहम बैठक में पीएम मोदी ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जो लोग इस संकट का फायदा उठाकर देश में घबराहट और पैनिक का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उन पर पैनी नजर रखी जाए। उन्होंने मंत्रियों से स्पष्ट कहा कि वे सोशल मीडिया पर पूरी तरह एक्टिव रहें और विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे किसी भी प्रोपेगेंडा या भ्रामक प्रचार का आक्रामक तरीके से, लेकिन पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दें।

अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति और तैयारियां बेहद मजबूत

प्रधानमंत्री ने देशवासियों और अपनी कैबिनेट को आश्वस्त किया है कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए भारत की तैयारियां बहुत पुख्ता हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी गंभीर स्थिति है जिसका असर सिर्फ किसी एक देश पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन पर पड़ रहा है। हालांकि, हमारे पड़ोसी और दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में भारत इस संभावित संकट का सामना करने के लिए कहीं अधिक बेहतर और मजबूत स्थिति में है।

गैस एजेंसियों के गेट बंद, बाहर लगी भीड़

हरिद्वार। शहर में गैस एजेंसियों पर सिलेंडर बुकिंग के लिए लोगों की भीड़ जमा हो रही है। सुबह सात बजे से एजेंसियों के बाहर सिलेंडर ल्होने के लिए लोगों की लंबी लाइनों लग रही हैं। गैस एजेंसियों पर गैस सप्लाई और बुकिंग का बुरा हाल है। परेशान लोग गैस एजेंसियों के बाहर खड़े हो रहे हैं। एजेंसी संचालक गेट बंद कर अंदर बैठ रहे है। लोगों को एजेंसियों पर उचित जवाब नहीं मिल रहा है।

गुरुवार को आईओसी, बीपीसीएल और एचपी की गैस एजेंसियों पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की लाइनें लगी रही। पूर्वाह्न 11 बजे कनखल की पुष्पक गैस एजेंसी के बाहर बड़ी संख्या में महिलाएं बुकिंग कराने के लिए खड़ी नजर आईं। एजेंसी प्रबंधक ने गेट बंद किया हुआ था। कोई भी व्यक्ति एजेंसी के भीतर प्रवेश नहीं कर सका। परिचितों के लिए गेट खोला जा रहा था। गेट पर खड़ा व्यक्ति बाहर खड़ी महिलाओं को धमकाता नजर आया। यहां महिलाओं को सिलेंडर बुकिंग और सप्लाई की जानकारी नहीं मिली। लोग घंटों तेज धूप में एजेंसी के बाहर गेट खुलने की प्रतीक्षा करते रहे। लोगों की सुनवाई नहीं हुई।

यहां कोई पुलिस कर्मी तैनात नहीं किया गया है। वहीं, दोपहर 12 बजे शंकर आश्रम सिद्धि विनायक एजेंसी पर लोगों की बड़ी भीड़ नजर आई। यहां भी लोगों को एजेंसी के भीतर प्रवेश करने नहीं दिया गया। बड़ी संख्या में लोग एजेंसी के बाहर मायूस खड़े दिखे।

शादी का झांसा देकर नौ साल तक शोषण का आरोप, मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा। भतरौजखान थाने में एक महिला ने एक व्यक्ति पर शादी का झूठा झांसा देकर नौ वर्षों तक शारीरिक और मानसिक शोषण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की तहरीर पर आरोपित नंदन सिंह रावत के खिलाफ महिला उत्पीड़न, ठगी, जालसाजी और एससी/एसटी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब नौ वर्ष पहले आरोपित ने अल्मोड़ा स्थित गोलू मंदिर में उससे शादी करने का विश्वास दिलाते हुए मंगलसूत्र पहनाया और साथ रहने लगा। इसके बाद दोनों लंबे समय तक साथ रहे और आरोपित कई बार महिला के घर भी आता-जाता रहा। आरोप है कि इस दौरान उसने महिला के सरकारी पद का लाभ उठाते हुए वाहन, कपड़े, मकान किराया और अन्य निजी खर्चों के नाम पर उससे लाखों रुपये लिए। पीड़िता के अनुसार जब उसने संबंध को कानूनी रूप देने और विवाह का पंजीकरण कराने की बात कही तो आरोपित और उसके परिवार ने जातिगत टिप्पणी करते हुए शादी से इनकार कर दिया।

जम्मू-कश्मीर : फारूक अब्दुल्ला पर फायरिंग

सीएम बोले-अल्लाह मेहरबान, बाल-बाल बच गए पिता

श्रीनगर ,जम्मू कश्मीर में एक कार्यक्रम के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई है। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और फारूक अब्दुल्ला एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे, जहां फायरिंग की घटना हुई। हालांकि दोनों सुरक्षित हैं। फायरिंग करने के आरोप में एक शख्स को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस शख्स से पूछताछ कर रही है और इस मामले की जांच कर रही है।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री और फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अल्लाह मेहरबान हैं। मेरे पिता बाल-बाल बच गए। फिलहाल पूरी जानकारी अधूरी है, लेकिन इतना पता चला है कि एक व्यक्ति भरी हुई पिस्तौल लेकर बिल्कुल करीब आ गया और गोली चला दी। उन्होंने आगे लिखा कि सुरक्षा दल ने ही आरोपी को रोककर हत्या के प्रयास को नाकाम कर दिया। उमर अब्दुल्ला ने सवाल उठाया कि कोई व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा बल (एनएसजी) द्वारा सुरक्षित पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब कैसे पहुंच गया? नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैंने डॉ. फारूक अब्दुल्ला साहब, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर और नासिर असलम वानी से बात की है।

सम्पादकीय

हवा हवाई आपूर्ति के दावे

चलिए फिर वही कहानी शुरू हो चुकी है पूरे देश में। जंग कहीं और और उसका इंपैक्ट उठाकर लाभ लेने वाले हिंदुस्तान में सक्रिय हो चुके हैं। कहने को तो सरकार चिल्लाते नहीं थक रही है कि देश में पर्याप्त तेल और घरेलू गैस का स्टॉक है लेकिन स्थिति ऐसी बना दी है कि कमर्शियल सिलेंडर प्रयोग करने वाले तमाम होटल ढाबे और रेस्टोरेंट बंदी की कगार पर है। स्थिति कोई खास घरेलू उपभोक्ताओं की भी अच्छी नहीं है जिन्हें गैस बुकिंग करने के लिए ही नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। बुकिंग सेंटर पर ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो रही है तो समझिए कि सरकार कौन सी चकाचक व्यवस्था का दावा कर रही है जिससे देशवासी परेशान ना हो। यहां हाथी के दांत खाने के और चबाने के और वाली कहावत पूरी तरह से सटीक बैठती है। यानी की सूत न कपास और जुलाहों में लट्ठमलठ। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का बुरा हाल है और तमाम घरेलू गैस कार्यालय के आगे सिलेंडरों की लंबी–लंबी लाइन लगने लगी है। समझा जा सकता है कि सरकार भले ही दावे चिल्ला चिल्ला के करती है लेकिन हकीकत धरातल पर ही नजर आती है। याद होगा जब कांग्रेस के शासनकाल में एक वर्ष में 9 सिलेंडर लेने की शर्त तय की गई थी, जिसे बाद में व्यापक विरोध के बाद 12 करना पड़ा। अब नई व्यवस्था के तहत ना तो 25 दिन से पहले बुकिंग होगी और साल में फिलहाल 12 सिलेंडर ही उपलब्ध कराए जाएंगे। इधर उत्तराखंड में भी गैस आपूर्ति को लेकर लोगों में चिंताएं नजर आने लगी है। राज्य सरकार हालात सामान्य बता रही है और जमाखोरी को रोकने के लिए व्यापक तौर पर छापेमारी की कार्रवाई भी कर रही है लेकिन जो कुछ भी नजर आ रहा है वह उपभोक्ताओं को संतुष्ट और निर्भय बनाने के लिए काफी नहीं है। अब बताइए कहां है पर्याप्त स्टॉक और निर्बाध आपूर्ति?? अक्सर सरकार जो कहती है वह सच ही साबित हो यह जरूरी नहीं है। निश्चित तौर पर विश्व में चलने वाली विभिन्न देशों की जंग कुछ ना कुछ सामाजिक और वैश्विक व्यवस्था में प्रभाव तो डालती ही है लेकिन कोई देश अगर इस स्थिति में भी नहीं है कि वह अपने नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताएं बिना किसी परेशानी के उपलब्ध करा सके तो समझ लेना चाहिए कि वह देश अपने संसाधनों पर निर्भर नहीं है। भारत तो ऐसा देश है जहां कालाबाजारी और जमाखोरी एक "नैसर्गिक गुण" माना जाता है जो विभिन्न मौकों पर अपनी जेब में गर्म करने के लिए प्रयोग किया जाता है। वर्तमान हालात ठीक ऐसे लोगों को एक बार फिर से मालामाल बनाने के बन गए हैं जिस पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जिला प्रशासन का नियंत्रण नहीं है। कुछ दिनों में यदि जंग समाप्त नहीं हुई तो निश्चित मानिए की देश में सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल को लेकर हाहाकार मचाने वाला है क्योंकि सरकार का कोई रोड मैप तैयार ही नहीं है। अभी तो शुरुआती दौर है और तमाम प्रबंध सरकार की ओर से लगा दिए गए हैं। कल्पना की जा सकती है की आने वाले दिनों में देश के लोगों को और कितनी दिक्कतों से गुजरना पड़ सकता है।

साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे

एक राष्ट्र के रूप में भारत और इसके 140 करोड़ लोगों के नैतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करने वाले साधु या संत या धर्मगुरू खोजने से नहीं मिलेंगे लेकिन नफरत फैलाते साधु संत चारों तरफ मिल जाएंगे। इतिहास में कभी भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा ऐसी नहीं रही थी। ईसाई धर्मगुरू भड़काऊबातें करते थे और झूठे सच्चे वादे करके धर्म परिवर्तन कराते थे या इस्लाम के प्रचारक मौलाना आदि भड़काऊभाषणों से लोगों को उकसाते थे, जिहाद के लिए प्रेरित करते थे लेकिन हिंदू साधु संत इस तरह के काम नहीं करते थे। यह अंतर बहुत साफ दिखता था और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि बुनियादी रूप से ईसाई और इस्लाम दोनों राजनीतिक धर्म हैं, जो लालच या भय से फैलाए गए हैं। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवाद को फैलाने वाली शक्तियों के तौर पर ईसाई पादरियों और चर्च को रेखांकित किया था।

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानमंद के साथ जो हो रहा है वह भारतीय समाज के अंदर पल रही एक बड़ी बीमारी का लक्षण है। वह बीमारी धार्मिक और सामाजिक विभाजन की है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए बढ़ाया जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि देश और समाज इस कदर निभाजित हुआ है। पहले समाज के स्तर पर विभाजन चुनावों के समय दिखते थे। हालांकि वह भी बहुत सीमित होता था। लेकिन आज स्थायी रूप से एक विभाजन दिखता है और दुर्भाग्य की बात यह है कि नेताओं के साथ साथ धर्मगुरु, आध्यामिक कार्यों में लगे लोग और साधारण से लेकर शंकराचार्य के स्तर तक साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे हुए हैं।

लोग साधु, योगी और कथावाचक की जाति खोज ले रहे हैं और फिर उस आधार पर उसके समर्थन या विरोध में खड़े हो जाते हैं। लेकिन यह किसी स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत नहीं हो रहा है। केंद्र की मौजूदा सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित तरीके से इस विभाजन को बढ़ा रही है। शंकराचार्य का मामला और यूजीसी की नियमावली इसके दो ताजा संकेत हैं।

बहरहाल, यह दुर्भाग्य है कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और इसके 140 करोड़ लोगों के नैतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करने वाले साधु या संत या धर्मगुरू खोजने से नहीं मिलेंगे लेकिन नफरत फैलाते साधु संत चारों तरफ मिल जाएंगे। इतिहास में कभी भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा ऐसी नहीं रही थी। ईसाई धर्मगुरू भड़काऊ बातें करते थे और झूठे सच्चे वादे करके धर्म परिवर्तन कराते थे या इस्लाम के प्रचारक मौलाना आदि भड़काऊ भाषणों से लोगों को उकसाते थे, जिहाद के लिए प्रेरित करते थे लेकिन हिंदू साधु संत इस तरह के काम नहीं करते थे।

यह अंतर बहुत साफ दिखता था और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि बुनियादी रूप से ईसाई और इस्लाम दोनों राजनीतिक धर्म हैं, जो लालच या भय से फैलाए गए हैं। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवाद को फैलाने वाली शक्तियों के तौर पर ईसाई पादरियों और चर्च को रेखांकित किया था। उन्होंने कहा था कि पहले इनके पादरी आते हैं, फिर इनके व्यापारी आते हैं और अंत में इनकी सेना आती है। इसी तरह इस्लाम तलवार के दम पर फैलता है यह आरोप अक्सर लगते रहते हैं।

लेकिन इस तरह की बातें हिंदू धर्म को लेकर नहीं कही जाती हैं तो इसका कारण यह था कि हिंदू धर्म के शंकराचार्य हों या दूसरे साधु संत हों वे समाज सुधार के कार्यों में रहते थे या धार्मिक अनुष्ठानों और आध्यात्मिक श्रेष्ठता प्राप्त करने के उपक्रमों में रहते थे। समय के साथ साथ इसमें बड़ा बदलाव आया है। अब भारत के साधु संत खुल कर राजनीति की बातें करते हैं। पार्टियों और नेताओं का समर्थन करते हैं।

पांच हजार साल की सनातन परंपरा से अलग हट कर इस या उस नेता को हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में रेखांकित करते हैं। सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली बातें करते हैं। जाति और धर्म को लेकर ऐसी टिप्पणियां करते हें, जैसी टिप्पणी करने से नेता भी हिचकते हैं। देश के सम्मानित माने जाने वाले साधु संत महिलाओं को लेकर ऐसी अनर्गल बातें करते हैं, जिन्हें सुन कर सिर शर्म से झुक जाता है।

आज साधु संतों का आकलन उनकी योग्यता या धार्मिक, आध्यात्मिक उपलब्धियों के आधार नहीं किया जाता है, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उसके आश्रम में कितनी भीड़ जुटती है, उसके आगे पीछे कितनी गाड़ियां चलती हैं, उसके आश्रम में कौन नेता, अभिनेता या खिलाड़ी पहुंचा, उसे कैसी सुरक्षा मिली हुई है आदि आदि। अगर धर्मगुरू चार्टर्ड फ्लाइट से चलता है तो वह सर्वश्रेष्ठ मान लिया जाएगा भले उसकी बातें कितनी भी मूर्खतापूर्ण और समाज का विभाजन करने वाली क्यों न हों। यह स्थिति एक राष्ट्र और समाज के रूप में भारत को रसातल में ले जा रही है।बहरहाल, विषयांतर हो गया लेकिन प्रयागराज वे माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ जो हुआ और अब जिस तरह से एक दूसरे संत के हिस्ट्रीशीटर शिष्य द्वारा उनके खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज कराया गया है वह इस गंभीर व्याधि का एक लक्षण है। सबको पता है कि अविमुक्तेश्वरानंद वाचाल हैं। वे शंकराचार्य स्वरूपानंद के शिष्य हैं और अपने गुरू की तर्ज पर खूब बयानबाजी भी करते हैं। उनके बयान अक्सर भाजपा और उसकी केंद्र व राज्यों की सरकारों के खिलाफ होते हैं। उन्होंने पिछले साल के कुंभ मेले में हुई भगदड़ और उसकी मौतों को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। इस आधार पर उनको भाजपा विरोधी और कांग्रेस समर्थक साधु माना जाता है।

हालांकि वे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ भी बोलते रहते हैं। प्रयागराज में उनके साथ जो हुआ और उसके बाद से जो हो रहा है वह उनकी राजनीतिक सक्रियता से जुड़ा हुआ है। शुरुआत मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब वे अपनी पालकी से शाही स्नान के लिए जा रहे थे और उनकी पालकी रोक दी गई है। प्रोटोकॉल का हवाला दिया गया। जब उनके शिष्यों ने आगे बढ़ने का उपक्रम किया तो बल प्रयोग करके सबको रोका गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी की क्षत्रप टूट गई और उनके शिष्यों को, जिनमें वेदपाठी ब्राह्मण बटुक थे, गिरा गिरा पर लातों, घूसों से पीटा गया। इसके बाद जब वे अन्न, जल त्याग कर अनशन पर बैठे तो उनको एक नोटिस भेज दिया गया कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है तो वे अपने को शंकराचार्य क्यों कह रहे हैं।

सबसे पहली बात तो यह है कि मेले का प्रोटोकॉल एक बात है लेकिन धर्मगुरुओं के स्नान की परंपरा तो धर्मगुरु ही तय करते हैं। कोई भी धार्मिक परंपरा सरकार नहीं तय करती है। वह धर्मगुरू तय करते हैं। इसी तरह किस संत का पट्टाभिषेक किस रूप में हुआ है यह भी तय करना प्रशासन का काम नहीं है। देश में अनगिनत अखाड़े, मंदिर, मठ, आश्रम आदि हैं उनमें प्रधान तय करने का अपना सिस्टम है। स्वंय योगी आदित्यनाथ को उनके गुरू योगी अवैद्यनाथ ने गोरक्षापीठ का महंत नियुक्त किया।

ऐसे ही शंकराचार्य की नियुक्ति शंकराचार्य करते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति उनके गुरू स्वरूपानंद ने की थी। इसके अलावा दूसरी परंपरा यह है कि चारों शंकराचार्य, जिसको शंकराचार्य मानेंगे वही असली होगा। चार में श्रृंगेरी और द्वारका के शंकराचार्य उनको शंकराचार्य मानते हैं, जबकि पुरी के शंकराचार्य उनके स्टैटस को लेकर खामोश थे। इस विवाद के बाद उन्होंने भी समर्थन किया है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा शुरू होने से पहले उनका पट्टाभिषेक भी हो चुका है। हालांकि प्रशासन के सामने इस सफाई की आवश्यकता नहीं थी। यह दुर्भाग्य है कि एक साधु को इस तरह की सफाई देनी पड़ रही है। दूसरी ओर पुलिस, प्रशासन और राज्य या केंद्र की सरकार में से किसी ने उनके अनशन की सुध नहीं ली। वे अन्न जल त्याग कर अनशन पर बैठे रहे और ऐसा लग रहा है कि राज्य व केंद्र की सरकार को लगा कि इनके साथ यही बरताव होना चाहिए क्योंकि ये हमारे विरोधी है।

यह राजनीतिक आधार पर साधु संतों के बंटने की अनिवार्य परिणति है। आज अगर केंद्र व उत्तर प्रदेश की सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने की वजह से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद प्रशासन का शिकार बनें हैं तो कल कांग्रेस की सरकार आने पर या किसी कांग्रेस शासित राज्य में उन संतों के साथ ऐसा ही हो सकता है, जो सोनिया या राहुल गंधी और कांग्रेस के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। ऐसे संतों की लंबी सूची है। उनको सोचना चाहिए कि जब इस व्यवस्था में एक शंकराचार्य के साथ ऐसा हो सकता है तो अनपढ़, अज्ञानी कथावाचकों और कथित साधु संतों का क्या होगा?

भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे

आर्थिक मंच की बैठक में या सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में या एआई समिट में भारत के पास दिखाने के लिए क्या था? ले देकर भारत के पास एकमात्र चीज यह है कि भारत दुनिया भर के उत्पाद खरीद सकता है। चाहे उपभोक्ता उत्पाद हों या हथियार हों या एआई की तकनीक हो, भारत एक खरीदार है। इसके अलावा कोई भारत की परवाह नहीं करता। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भी दुनिया की प्राथमिकता दिखी। जिस समय यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सेशन होना था उस समय पूरा हॉल भरा हुआ था, लोग खड़े होकर फांस और यूक्रेन की बात सुन रहे थे। यूरोप के लोगों के लिए रूस और यूक्रेन का युद्ध एक चिंता की बात है।

हरिशंकर व्यास

दुनिया भर में एक के बाद एक बड़े सम्मेलन हो रहे हैं। पहले जनवरी में स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक हुई। उसके बाद फरवरी में जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस हुई। फिर दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट हुआ। अगले महीने भारत में रायसीना डायलॉग्स होंगे। सवाल है कि इन तमाम सम्मेलनों में भारत के लिए क्या है? क्या दुनिया भारत को पूछ रही है या भारत किसी भी मामले में दुनिया को रास्ता दिखा रहा है? आर्थिक मंच की बैठक में या सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में या एआई समिट में भारत के पास दिखाने के लिए क्या था? ले देकर भारत के पास एकमात्र चीज यह है कि भारत दुनिया भर के उत्पाद खरीद सकता है। चाहे उपभोक्ता उत्पाद हों या हथियार हों या एआई की तकनीक हो, भारत एक खरीदार है। इसके अलावा कोई भारत की परवाह नहीं करता। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भी दुनिया की प्राथमिकता दिखी। जिस समय यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सेशन होना था उस समय पूरा हॉल भरा हुआ था, लोग खड़े होकर फ्रांस और यूक्रेन की बात सुन रहे थे। यूरोप के लोगों के लिए रूस और यूक्रेन का युद्ध एक चिंता की बात है। लेकिन इसके तुरंत बाद भारत और जर्मनी का सेशन था, जिसमें पूरा हॉल खाली पड़ा हुआ था। किसी को इस बात की चिंता नहीं थी कि भारत क्या कह रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत ने किसी तरह की भूमिका नहीं निभाई। भारत ने सिर्फ बयानबाजी की। प्रधानमंत्री मोदी ने हर जगह कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। उनको लगता था कि यह बहुत बड़ा वाक्य है और इसे बोलने से युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन युद्ध के चार साल हो गए। यूरोप के सारे देश यूक्रेन की मदद करते रहे लेकिन भारत इस दौरान रूस से तेल खरीदता रहा। तभी म्यूनिक सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भारत अप्रासंगिक था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी बात कह आए लेकिन किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।

उससे पहले दावोस में भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्री और कई केंद्रीय मंत्री विश्व आर्थिक मंच में हिस्सा लेने पहुंचे थे। लेकिन पूरा सम्मेलन अमेरिका और यूरोप के मुद्दे पर केंद्रित रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मंत्रियों के साथ पहुंचे थे और अमेरिका ने अपना पैवेलियन बनवाया था। लेकिन दावोस में यूरोप के देशों ने कमाल की एकजुटता दिखाई। ट्रंप ने ग्रीनलैंड लेने की बता कही तो अगली कतार में बैठे ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति उठ कर चले गए। उनके साथ साथ यूरोप के ज्यादातर देशों के नेता वहां से निकल गए।

सबने बाहर जाकर कहा कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। यूरोप के देशों ने मिल कर ट्रंप की दादागिरी का मुकाबला किया और मजबूरी में ट्रंप को टैरिफ लगाने के फैसले से पीछे हटना पड़ा। लेकिन वहां भी भारत के नेता क्या कर रहे थे? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने दावोस जाकर अपने ही राज्य के एक बड़े बिल्डर लोढा समूह के साथ एग्रीमेंट किया। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दावोस में टाटा समूह के साथ करार किया। सोचें, भारत के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दावोस जाकर ऐसे ही घूमते रहे और अपनी देशी कंपनियों से ही निवेश का करार करके लौटे।

ऐसे ही दिल्ली के एआई समिट में हुआ है। दुनिया भर की एआई कंपनियों ने भारत में अपने लिए बाजार की संभावना देखी और निवेश का वादा किया। यह कितनी हैरानी की बात है कि भारत ने ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक्स के डारियो अमोदाई, गूगल के सुंदर पिचाई आदि की बात की लेकिन किसी दूसरे देश ने भारत के सर्वम या परम की बात नहीं की। इसका मतलब है कि भारत में एआई के सेक्टर में जो काम हो रहा है उसे लेकर दुनिया में कोई गंभीर नहीं है।

सबको पता है कि भारत में कोई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार नहीं हो रहा है, जो चैटजीपीटी या ग्रॉक या क्लॉड, जेमिनी या परप्लेक्सिटी या डीपसीक का मुकाबला कर सके। भारत सेक्टर बेस्ड एप्लीकेशंस बनाएगा, जिसे भारत में भी कम ही लोग इस्तेमाल करेंगे। भारत की तकनीकी क्षमता की पहले परीक्षा हो चुकी है। दुनिया देख चुकी है कि भारत एक ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं बना पाया और न सोशल मीडिया का एक प्लेटफ़ॉर्म बना सका। सो भारत लार्ज लैंग्वेज मॉडल कैसा बनाएगा यह दुनिया को पता है। भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे। भारत का कोई भी एआई उत्पाद दुनिया में जगह नहीं बना पाएगा।

गोपीचंद की 33वीं फिल्म में हुई अभिनेत्री ऋतु वर्मा की एंट्री

तेलुगु फिल्मों में अपनी एक्शन भूमिकाओं से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता गोपिचंद जल्द ही अपनी 33वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मुख्य अभिनेत्री के बारे में जानकारी दी गई है। अभिनेत्री ऋतु वर्मा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यही वजह है कि आज निर्माताओं ने उनकी आगामी फिल्म से उनका फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है। अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि ऋतु वर्मा अभिनेता गोपीचंद की 33वीं फिल्म का हिस्सा हैं। निर्माताओं ने आज फिल्म का एक खास पोस्टर जारी किया है। जिसमें ऋतु वर्मा धनुष से किसी पर निशाना साधते नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा,अचूक निशाना। दमदार उपस्थिति। इसके साथ ही निर्माताओं ने ऋतु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी कि इस फिल्म में ऋतु सत्यावती का किरदार निभाएंगी।

भावना अजवानी ने मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा को कहा अलविदा

स्टार प्लस का मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा अपने ड्रामाटिक ट्विस्ट और इमोशनल स्टोरीलाइन से दर्शकों को बांधे हुए है। शो के मेकर्स ने हाल ही में एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें आने वाले एपिसोड में एक बड़े डेवलपमेंट के बारे में बताया गया है। प्रोमो में दिखाया गया है कि शो जल्द ही एक साल का लीप लेगा, जिससे कहानी में एक नया फेज आएगा। प्रथाना की अचानक मौत के बाद, अनुपमा गोवा में एक नया सफर शुरू करेगी। यह लीप कहानी में एक टर्निंग पॉइंट लाएगा क्योंकि सेंट्रल कैरेक्टर एक मुश्किल दौर का सामना करने के बाद जिंदगी में आगे बढ़ता है। नई सेटिंग और ट्रैक से कहानी में नए डेवलपमेंट आने की उम्मीद है। आने वाले लीप से शो की कास्ट में भी बदलाव आएगा। कहानी आगे बढ़ने पर एक कैरेक्टर की जगह कोई और ले लेगा। प्रेरणा, जिसे पहले भावना अजवानी ने निभाया था। वह शो से बाहर हो जाएगी। प्रेरणा का कैरेक्टर दिसंबर 2025 में अनुपमा में आया और जल्द ही स्टोरीलाइन का एक अहम हिस्सा बन गया। उनके रोल को एक नए कैरेक्टर के तौर पर इंट्रोड्यूस किया गया, जिसने प्रेम और राही के बीच टेंशन पैदा की। शो में प्रेरणा को विलेन के किरदार में दिखाया गया था।

टी–20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद शिवम दुबे को ट्रेन से लौटना पड़ा घर

नईदिल्ली,हाल ही में आईसीसी टी–20 विश्व कप 2026 का समापन हुआ और भारतीय क्रिकेट टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इसका खिताब अपने नाम किया। 8 मार्च को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हराकर विजेता बनी। इसके बाद सभी खिलाड़ी अपने–अपने घर रवाना हुए। इस बीच भारतीय टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने बताया कि वह अहमदाबाद से मुंबई ट्रेन से अपने घर लौटे। उन्होंने इसका कारण भी बताया। दुबे ने बताया कि ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि उस समय सभी फ्लाइट्स बुक थीं। वे जल्दी घर पहुंचकर अपने बेटे आयान और बेटी मेहविश से मिलना चाहते थे। उन्होंने कहा, कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी, इसलिए मैंने सुबह जल्दी अहमदाबाद से मुंबई के लिए ट्रेन लेने का फैसला किया। हम सड़क से भी जा सकते थे, लेकिन ट्रेन ज्यादा तेज थी। ट्रेन में उनके साथ उनकी पत्नी अंजुम और एक दोस्त भी थे।

दुबे को पता था कि ट्रेन से यात्रा करने पर लोग उन्हें पहचान सकते हैं। उन्होंने कहा, परिवार और दोस्त सभी चिंतित थे कि अगर स्टेशन या ट्रेन में किसी ने मुझे पहचान लिया तो क्या होगा? इससे बचने के लिए दुबे ने कैप, मास्क और फुल स्लीव टी–शर्ट पहनकर खुद को छिपाने की कोशिश की। दुबे ट्रेन में 5 मिनट पहले ही चढ़े और सीधे ऊपरी बर्थ पर चले गए और ज्यादातर समय वहीं रहे।

दुबे को चिंता थी कि अगर वह मुंबई पहुंचकर बोरीवली स्टेशन पर दिन में उतरेंगे तो लोग पहचान सकते हैं। इसलिए उन्होंने मुंबई पहुंचने से पहले पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने कहा, पुलिस को लगा कि मैं एयरपोर्ट से आ रहा हूं, लेकिन जब मैंने बताया कि मैं ट्रेन से आ रहा हूं तो वे हैरान रह गए। बाद में मुझे पुलिस का दस्ता मिला, जिससे स्टेशन से बाहर निकलना आसान हो गया।टी–20 विश्व कप 2026 में दुबे ने भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 235 रन बनाए, उनका औसत 39.16 और स्ट्राइक रेट 169.06 रहा। उन्होंने अंत में आकर बेहतरीन पारियां खेली। इस दौरान उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ 31 गेंदों में 66 रन की शानदार पारी भी खेली। गेंदबाजी में उन्होंने 10.2 ओवर फेंककर कुल 5 विकेट भी लिए। हालांकि, उनका इकॉनमी रेट (14.12) महंगा रहा।

सितारे जमीन पर ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार, सोनी लिव पर होगा प्रीमियर

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। काफी लंबे इंतजार के बाद निर्माताओं ने आखिरकार इसे ओटीटी पर उपलब्ध कराने का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। सितारे जमीन पर, 2007 में आई सुपरहिट फिल्म तारे जमीन पर की दूसरी किस्त है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा, आशीष पेंडसे, अरूश दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन और नमन मिश्रा जैसे सितारे भी मौजूद हैं।

करीब 9 महीने के लंबे इंतजार के बाद, आमिर की सितारे जमीन पर सोनी लिव पर दस्तक देने वाली है। निर्माताओं ने आधिकारिक पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, टिंगू बास्केटबॉल कोच, 10 तूफानी सितारे और उनकी यात्रा। देखें सितारे जमीन पर, सबका अपना अपना नॉर्मल है, जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग। बता दें, फिल्म के पहले भाग तारे जमीन पर को नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर देखा जा सकता है।

आर.एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित सितारे जमीन पर गुलशन अरोरा (आमिर) की कहानी है जो बास्केटबॉल कोच है। नशे में आकर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने के चलते उसे सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई जाती है। यहीं से गुलशन की जिंदगी बदल जाती है, क्योंकि उसकी जिंदगी में 10 दिव्यांग बच्चे आते हैं जिन्हें बास्केटबॉल सिखाने की जिम्मेदारी उसे मिलती है। इस फिल्म ने दुनियाभर के सिनेमाघरों में करीब 267 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप में नहीं लेगी हिस्सा, खेल मंत्री ने की घोषणा

नईदिल्ली,। आगामी 11 जून से शुरू होने वाले फीफा विश्व कप 2026 में ईरान की फुटबॉल टीम हिस्सा नही लेगी। दरअसल, ये टूर्नामेंट अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है और ईरान ने इससे पीछे हटने का फैसला किया है। ईरान के खेल मंत्री ने अहमद दोन्यामाली ने अमेरिका के साथ इस समय चल रहे युद्ध के बीच ये ऐलान किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है। खेल मंत्री दोन्यामाली ने कहा, यह देखते हुए कि इस भ्रष्ट सरकार (अमेरिका की) ने हमारे नेता की हत्या कर दी है, हम किसी भी हालत में फुटबॉल के विश्व कप में हिस्सा नही ले सकते। बता दें कि इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमला करने के कारण 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत हो गई थी। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की फुटबॉल टीम का विश्व कप में हिस्सा लेने का स्वागत किया था।

आईसीसी टी–20 रैंकिंग: ईशान किशन दूसरे स्थान पर पहुंचे, संजू सैमसन को भी हुआ फायदा

नईदिल्ली,इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत के ईशान किशन दूसरी रैंक वाले बल्लेबाज बन गए हैं। यह उनके अब तक के करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। किशन को 2 पायदान का फायदा हुआ है। उनके अलावा संजू सैमसन को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इन दोनों ही विकेटकीपर बल्लेबाजों ने हाल ही में संपन्न हुए टी–20 विश्व कप में उम्दा बल्लेबाजी की थी।

किशन अब 871 रेटिंग अंको के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। उनसे आगे शीर्ष पर अभिषेक शर्मा (875) बरकरार हैं। इस संस्करण में किशन ने 9 पारियों में 35.22 की औसत और 193.29 की स्ट्राइक रेट के साथ 317 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 77 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 अर्धशतक लगाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 छक्के और 33 चौके भी लगाए। शीर्ष–10 बल्लेबाजों में तिलक वर्मा 7वें और सूर्यकुमार यादव 9वें स्थान पर हैं।

सैमसन ने 18 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है और वह 637 रेटिंग अंको के साथ 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैमसन ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन बनाए थे। उन्होंने टी–20 विश्व कप 2026 में 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97* रन रहा।

भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को एक पायदान का नुकसान हुआ है। वह 740 रेटिंग अंको के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने टी–20 विश्व कप के अपने पिछले 5 मैचों में 1–1 विकेट लिए थे। इस बीच वह महंगे भी साबित हुए थे। चक्रवर्ती ने इस टी–20 विश्व कप संस्करण में कुल 14 विकेट लिए थे। अफगानिस्तान के राशिद खान शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बन गए। उनके अब 753 रेटिंग अंक हैं।

एक नजर

धारी देवी मंदिर परिसर में लॉकर की होगी व्यवस्था

श्रीनगर गढ़वाल : धारी देवी मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से नगर निगम की ओर से मंदिर समिति के साथ बैठक की गई। बैठक में मंदिर परिसर की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और परिसर को व्यवस्थित रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही मंदिर क्षेत्र में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध रहेगा।

बैठक की अध्यक्षता मेयर आरती भंडारी ने की। बैठक में तय किया गया कि मंदिर परिसर की पवित्रता और अनुशासन बनाए रखने के लिए मंदिर क्षेत्र में मोबाइल पूरी तरह से वर्जित रहेगा। साथ ही नगर निगम की ओर से मंदिर परिसर में सामान रखने के लिए लॉकर की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त मंदिर में पैदल आने और जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए वन वे व्यवस्था करने पर सहमति बनी, जिससे दर्शन व्यवस्था अधिक सुचारु और व्यवस्थित हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मंदिर परिसर को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। मेयर आरती भंडारी ने कहा कि धारी देवी मंदिर हमारी आस्था का प्रमुख केंद्र है। नगर निगम की प्राथमिकता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें। इसके लिए मोबाइल फोन प्रतिबंध, लॉकर व्यवस्था, वन वे व्यवस्था और अतिक्रमण हटाने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। इस मौके पर वार्ड के पार्षद राजेंद्र नेगी, सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी, अधिशासी अभियंता पवन कोठियाल, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार, प्रवीण रावत, मंदिर समिति के सचिव विवेक पांडेय, रमेश चंद्र पांडेय सहित मंदिर समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। (एजेंसी)

नाटक माउसट्रैप ने दर्शकों को किया रोमांचित

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में आयोजित हिमाद्री नाट्य महोत्सव के चौथे दिन द माउसट्रैप नाटक का मंचन किया गया। अगाथा क्रिस्टी के प्रसिद्ध नाटक 'द माउसट्रैप' का हिंदी रूपांतरण निर्देशक हीरा सिंह के निर्देशन में मंचित किया गया। नाटक में किसी की हत्या की खबर प्रसारित होती है जिसका खुलासा होता है। नाटक की रोचक प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।नाटक की कहानी हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में मॉल रोड स्थित टैक्सी स्टैंड पर रविश गुप्ता की हत्या से शुरू होती है। इसके बाद घटनाक्रम मॉल रोड के पास पहाड़ियों में स्थित हिमगिरी गेस्ट हाउस में पहुंचता है जिसे हाल ही में एक युवा दंपती संजय अवस्थी और अनुश्री अवस्थी ने शुरू किया है। मेहमानों के इंतजार के दौरान रेडियो पर हत्या की खबर लगातार प्रसारित होती रहती है। इसी बीच गेस्ट हाउस में चार लोग पहुंचते हैं। इसके बाद एक मेहमान के बाद एक पुलिसकर्मी भी गेस्ट हाउस पहुंचता है। भारी बर्फबारी के कारण सभी लोग गेस्ट हाउस में फंस जाते हैं और बाहरी दुनिया से संपर्क टूट जाता है। पुलिसकर्मी बताता है कि हत्यारा संभवतः यहीं मौजूद लोगों में से कोई हो सकता है और उसका संबंध पुराने लिटिल एंजेल अनाथालय आगजनी कांड से हो सकता है। इसके बाद सभी एक-दूसरे पर शक करने लगते हैं और रहस्य धीरे-धीरे खुलने लगता है। नाटक में अग्निवेश भारद्वाज, दृष्टि आजाद, ऋतुका ठाकुर, अभिषेक, आनंद आहूजा, खुशदीप शर्मा, रवि और कृष्ण कुमार ने अभिनय किया। (एजेंसी)

10 किमी. की अतिरिक्त दूरी चलने को मजबूर ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कोट और पौड़ी के करीब छह गांवों को यातायात सुविधा से जोड़ने वाले बिलकेदार-गौरीकोट मार्ग का डामरीकरण और सुधारीकरण नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं गिरगांव के लोगों को खंडाह होते हुए श्रीनगर जाने में करीब 10 किमी. की अतिरिक्त दूरी नापनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने लोनिवि से मार्ग के सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग की।

पौड़ी और कोट ब्लॉक के बिंदूला, तलसारी, कुकड़ गांव, गोरीकोट गिर समेत कई गांवों को जोड़ने वाले मार्ग का आज तक डामरीकरण नहीं हो पाया है। लोनिवि की ओर से वर्ष 2006 में 144.90 लाख की लागत से मार्ग का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। विभाग ने सात किमी. मार्ग निर्माण और एक छोटे पुल बनाने में करीब दस वर्ष का समय लगा दिया। इसके बाद भी मार्ग कई स्थानों पर जानलेवा बना है। महेंद्र, पंकज, आशीष, गोविंद, कृष्णा, नरेंद्र, सुरेंद्र व रविंद्र ने कहा कि निर्माण के डेढ़ दशक बाद भी क्षेत्र के करीब छह दर्जन से अधिक गांवों के लोग खस्ताहाल मार्ग से जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे है। कई बार डामरीकरण की मांग की गई लेकिन किसी ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता किशोर कुमार ने बताया कि मार्ग के डामरीकरण के लिए शासन को डीपीआर भेजी गई थी लेकिन इस वित्तीय वर्ष में योजना को पैसा नहीं मिल पाया है। अगले वित्तीय वर्ष में स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। (एजेंसी)

साहस व प्रतिबद्धता से नरेंद्र उनियाल ने जनपक्षीय पत्रकारिता की परंपरा को किया मजबूत

क्रांतिकारी पत्रकार अमर लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र उनियाल की 75वीं जयंती पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

पत्रकार नरेंद्र उनियाल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में दृष्टि पत्र जारी करते सदस्य

पत्रकार नरेंद्र उनियाल की जयंती पर सम्मानित होने वाले आंदोलनकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जनपक्षीय पत्रकारिता की मजबूत परंपरा को आगे बढ़ाने में नरेंद्र उनियाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अपने साहस, निष्पक्षता और सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के कारण वे लगातार जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहते थे। पत्रकारिता के माध्यम से वह कमजोर, वंचित और उपेक्षित वर्गों की आवाज को मंच देने के प्रयास में जुटे रहे। बेहतर समाज निर्माण में दिए गए नरेंद्र उनियाल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

गुरूवार को क्रांतिकारी पत्रकार, अमर लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र उनियाल की 75वीं जयंती पर वक्ताओं ने यह बात कही। कोटद्वार बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले हुए जयंती समारोह में सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने नरेंद्र उनियाल के योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि, उन्होंने अपने साहस और प्रतिबद्धता से जनपक्षीय पत्रकारिता की परंपरा को मजबूत किया तथा नरेंद्र उनियाल उन पत्रकारों में थे जिनके लिए पत्रकारिता केवल खबर लिखने का माध्यम नहीं थी, बल्कि समाज के संघर्षों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का दायित्व थी। उनके संपादन में प्रकाशित समाचार पत्र धधकता पहाड़ अपने समय में जनपक्षीय और निर्भीक पत्रकारिता का प्रतीक बन गया था। पहाड़ के सामाजिक-आर्थिकी के सवाल, आम लोगों की पीड़ा और क्षेत्रीय असमानताओं के मुद्दे इस अखबार के माध्यम से प्रभावी ढंग से उजागर किया जाता था। यही कारण रहा की आपातकालीन समय तत्कालीन सरकार की आंख की किरकीरी रहे, वे 19 माह तक जेल में रहे। इस अवसर पर कोटद्वार विकास का रोड़मैप के लिए एक दृष्टि पत्र भी जारी किया गया। दृष्टि पत्र में अनेक सवाल उठाये गये हैं। इस दृष्टि पत्र में कोटद्वार विकास को अवरूद्ध करने के लिए राज्य में गठित होने वाली सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुए समाधान भी सुझाये गये हैं। दृष्टि पत्र में कहा गया है कि, राज्य सरकारों ने स्थानीय जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। कार्यक्रम संयोजक नागेन्द्र उनियाल ने बताया कि कोटद्वार मेडिकल कॉलेज को केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल के तहत् बनाया जा सकता है। कंडी रोड़ का हिस्सा लालढांग-चिलरखाल वाले 11 किलोमीटर वाले हिस्से को वन विभाग से लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित किया जाना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार की इच्छा शक्ति ही काफी है। सत्य प्रकाश थपलियाल की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में महेन्द्र सिंह रावत, वरिष्ठ पत्रकार सूरज कुकरेती, डॉ. शक्ति शैल कपरवाण, शिव प्रकाश कुकरेती, राजीव गौड़, मुजीब नैथानी, चित्रमणी देवलियाल, विकास आर्य आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अनेक राज्य आंदोलनकारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुभाष चन्द्र नौटियाल ने किया।

सम्मानित होने वाले राज्य आंदोलनकारी

महेन्द्र सिंह रावत 2. भगवती प्रसाद कंडवाल 3. अशोक कंडारी 4. पंकज डबराल 5. पंकज उनियाल 6. प्रकाश बमराड़ा 6. संजू कश्यप 7. अभिमन्यु सिंह रावत 8. विजय पाल सिंह 9. विनोद अग्रवाल 10. राजीव गौड़ 11. राजेन्द्र सिंह नेगी 12. दलबीर सिंह 13. हरीश बहुखंडी 14. इकरामुद्दीन 15. रमेश चन्द्र 16. दिनेश धूलिया।

भाजपा ने फूंका यशपाल आर्य व प्रीतम सिंह का पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व प्रीतम सिंह पर बजट सत्र के दौरान अमर्यादित टिपणी का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने पुतला दहन किया। कहा कि कांग्रेस विकास कार्यों को प्रभावित करने के लिए इस तरह के कार्य कर रही है। जबकि, प्रदेश की भाजपा सरकार जनता के हितों को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता व पदाधिकारी झंडाचौक में पहुंचे। जहां उन्होंने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व प्रीतम सिंह के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की गई। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विगत साढ़े चार वर्षों तक विधानसभा सत्रों को निर्विवाद संचालित किया। उनकी कार्यशैली पर किसी भी नेता ने कोई प्रश्न नही उठाया। लेकिन, वर्तमान सत्र के दौरान ही कांग्रेस के शीर्ष नेता विधानसभा अध्यक्ष की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं, जिसे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नही करेंगे। पुतला दहन करने वालों में नीना बेंजवाल, नंद किशोर कुकरेती, प्रकाश बलोदी, गणेश कोठारी, पार्षद संजय भंडारी, प्रेमा खंतवाल, नीरूबाला खंतवाल, पिंकी रावत, शांतुनू रावत मौजूद रहे।

न पैराफिट न संकेतक, डरा रहा राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर

कोटद्वार दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर खाई में झाड़ियों के बीच गिरा संकेतक

हाईवे पर अब तक हुए हादसे

1. 23 नवंबर 2025 को कोटद्वार दुगड्डा के मध्य आमसौड़ के समीप एक डंपर खाई में गिर गया था। हादसे में चालक की मौत हो गई थी
2. चार अगस्त 2025 को कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य तिलबाढांग चैक पोस्ट के समीप पहाड़ी से एक बोल्डर मैक्स के ऊपर गिर गया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, हादसे के बाद सिस्टम ने उक्त स्थान पर पहाड़ी से पत्थर गिरने का संकेतक लगा दिया था।
3. जून 2025 में आमसौड़ के समीप सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिर गया था, जिसमें डंपर में सवार व्यक्ति की मौत हो गई थी।
4. बीते वर्ष लालपुल के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खोह नदी में गिर गई थी, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई थी।
5. दुगड्डा के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी, जिसमे नगीना तहसील में तैनात लेखपाल सहित दो युवकों की मौत हो गई थी।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर बना डेंजर

जयनत प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सरकारी सिस्टम के लिए आमजन का जीवन कोई मायने नहीं रखता। तभी तो कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसे दर हादसे हो रहे है और अब तक सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। 15 किलोमीटर के इस सफर में न ही संकेतक नजर आ रहे हैं और न ही पैराफिट। हर मोड पर डेंजर जोन वाहन चालकों की परीक्षा ले रहा है। यही नहीं, मार्ग पर हाथियों की धमक भी एक बड़ी चुनौती है।

मैदान से पहाड़ को जोड़ने वाले इस राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। वर्ष 2023 की अतिवृष्टि के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गया था। हाईवे पर बीस से अधिक डेंजर जोन बन गए थे। साथ ही कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा खोह नदी में समा गया था।

आमसौड़ के समीप पुलिया का हिस्सा भी धराशायी हो गया था। हालांकि, कुछ माह पूर्व सरकारी सिस्टम ने क्षतिग्रस्त पुश्तों का निर्माण तो कर दिया। लेकिन, कई स्थानों पर अब भी डेंजर जोन बने हुए हैं। पहाड़ी से बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि सरकारी सिस्टम उक्त स्थानों को चिह्नित कर वहां संकेतक व पैराफिट लगाता। लेकिन, सरकारी सिस्टम ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। नतीजा, वाहन चालकों को मोड़ पर आने वाले डेंजर जोन का पता नहीं चल पाता, जिससे हादसों का अंदेशा बना रहता है। यही नहीं, लालपुल से पांचवे मील के मध्य लगातार हाथियों की भी धमक बनी रहती है।

लेकिन, कहीं पर भी चेतावनी बोर्ड तक नहीं है। यही कारण है कि पूर्व में हाथियों का झुंड कई बार वाहन चालकों को दौड़ा चुका है। कुछ वर्ष पूर्व लगाए गए संकेतक भी टूटकर झाड़ियों में गिरे हुए हैं।

आकर्षक वॉल वॉशर लाइटिंग से सजा धारी देवी मंदिर परिसर

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा से पूर्व धारी देवी मंदिर परिसर को आकर्षक वॉल वॉशर लाइटिंग से सजाया गया है। आधुनिक तकनीक से स्थापित की गई रंग-बिरंगी रोशनी से मंदिर परिसर रात के समय अत्यंत भव्य और मनमोहक दिखाई दे रहा है। शाम ढलते ही मंदिर परिसर में जगमगाती रोशनी का दृश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं तथा यादगार अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में धारी देवी मंदिर परिसर में आधुनिक एवं प्रोग्रामिंग आधारित लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी ने बताया कि यह अत्याधुनिक प्रोग्रामिंग आधारित लाइटिंग सिस्टम है।

कोटद्वार में सिलेंडर भरवाने के लिए लग रही लंबी लाइन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ईरान-इजराइल युद्ध के चलते पेट्रोल उत्पादों की आपूर्ति में कमी का असर गैस सिलेंडर पर दिख रहा है। हालत यह है कि कोटद्वार में सिलेंडर भरवाने के लिए सुबह से ही लोगों की लंबी-लंबी कतार लग रही है। दरअसल, सर्वर के काम नहीं करने से गैस बुक भी नहीं हो पा रहा है। वहीं, प्रशासन से जनता से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में सुबह से ही लोग सिलेंडर लेकर एजेंसी व सिलेंडर सप्लाई वाले क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं। घंटों लाइन में खड़े रहकर लोग सिलेंडर का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, सरकार ने व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग पूरी तरह बंद कर दी है। वहीं, घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों के लिए भी नियम कड़े कर दिए हैं। बगैर बुकिंग के सिलेंडर न दिए जाने संबंधी नियम के बाद लोगों ने एजेंसियों के चक्कर काटने शुरू कर दिए हैं। पूर्व में फोन से भी गैस बुक हो जाता था। लेकिन, चार दिन से यह प्रक्रिया भी बंद हो गई है।

कोटद्वार में सिलेंडर भरवाने के लिए खड़े लोग

वहीं, प्रशासन ने लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि घरेलू सिलेंडर की पर्याप्त व्यवस्था है। बुकिंग के उपरांत गैस सप्लाई की जा रही है। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए उपजिलाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं।

एलिवेटेड मार्ग निर्माण को दिखाएं गंभीरता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का धरना जारी रहा। लोगों ने क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए मार्ग को एलिवेटेड बनाना जरूरी बताया। कहा कि इससे जहां क्षेत्र का विकास होगा। वहीं, कण्वाश्रम को भी विश्व पटल पर नई पहचान मिलेगी। गुरुवार को लोगों ने धरना देते हुए सरकार से समस्या को गंभीरता से लेने की मांग उठाई। कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए आवश्यक है। कहा कि स्थानीय जनता पिछले कई माह से लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। जनता के आंदोलन के बाद 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति ली। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण की योजना किस तरह होगी, यह सार्वजनिक नहीं हुआ है। बताया कि स्थानीय जनता मार्ग के हिस्से को एलिवेटेड ही चाहती है, जिससे 12 महीने बिना किसी रूकावट मार्ग पर वाहनों का संचालन होता रहे। कहा कि कोटद्वार व कण्वाश्रम के विकास के लिए भी मार्ग का निर्माण होना अति आवश्यक है।

शिवम बंसल अध्यक्ष, संस्कार गोयल बनें सचिव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लिया क्लब डिग्निटी की पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। इस दौरान क्लब में शिवम बंसल को अध्यक्ष व संस्कार गोयल को सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती को लेकर कार्य करने का भी संकल्प लिया।

बैठक में अक्षत जैन को कोषाध्यक्ष बनाया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष आराध्या अग्रवाल व सचिव रहे वैभव अग्रवाल ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनवाया। कहा कि उन्होंने क्लब की बेहतरी लिए हरसंभव प्रयास किया। चुने हुए पदाधिकारियों ने समाज सेवा के क्षेत्र में अधिक सक्रियता से कार्य करवाए जाने का आश्वासन दिया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम MANNAT AGARWAL अंकित है, जो कि मेरी पुत्री का गलत नाम है। जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम DEVANYA AGARWAL है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम MANNAT AGARWAL के स्थान पर DEVANYA AGARWAL अंकित किया जाए।

सजल अग्रवाल पुत्र अतुल कुमार अग्रवाल निवासी मिश्रा कॉलोनी, काशीरामपुर नजीबाबाद रोड, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1592/21)

कार्यालय प्रधान / सचिव ग्राम पंचायत चमाड़ा विकास खण्ड नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल

दिनांक 11/03/2026

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के मुहरबन्द निविदायें राजकीय विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से उनकी वर्गीकृत श्रेणी के अनुसार दिनांक 24/03/2026 के प्रातः 11:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो कि अद्योहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा उसी दिन प्रात 11:00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों की जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 13/03/2026 से 24/03/2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	लागत	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अन्य विवरण
1	चमाड़ा में पंचायत भवन निर्माण	1000000	20000	1000 रू0 +GST	6 माह	

प्रधान ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत चमाड़ा। वि0ख0 नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल।

सचिव/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी ग्राम पंचायत चमाड़ा। वि0ख0 नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल।

(1592/21)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार

पत्रांक 4255 / टेण्डर / दिनांक 12/03/26

अल्पकालीन निविदा सूचना

मुख्य महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से जनपद पौड़ी की कोटद्वार शाखा के अंतर्गत टैंकों के माध्यम से पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार जलापूर्ति हेतु निम्न विवरणानुसार दरें आमंत्रित की जाती है, जो कि दिनांक 18.03.2026 की अपराहन 2:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में शाखा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। यह निविदायें दिनांक 20.03.2026 की सांय 3.00 बजे तक शाखा में जमा करायी जा सकेगी। प्राप्त निविदायें उसी दिन सांय 3.30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है अथवा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	निविदा मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण की अवधि
1	2		3
1	शाखा कोटद्वार के अन्तर्गत पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्रों में 2000/3000/ 5000 ली0 क्षमता के टैंकरों/ पिकअप वाहनो के माध्यम से जलापूर्ति।	1000.00 +GST	आश्यकतानुसार

शर्तें:- नियम व शर्तें किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय में देखी जा सकती है।

1- जल वितरण हेतु दरे चालक सहित देनी होगी।
2- निविदा प्रपत्र पर जी0एस0टी0 एवं पैन नम्बर अंकित करना अनिवार्य होगा।
3- टैंकरों के रखरखाव का दायित्व वाहन स्वामी का होगा।
4- टैंकरों को जल वितरण हेतु 24 घण्टे उपलब्ध रखना होगा।
5- टैंकरों का उचित फिटनेस स्थिति में होना आवश्यक है, जिसके लिये आर0टी0ओ0 का फिटनेस प्रमाण पत्र निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना होगा।
6- निविदा क्रय करते समय सम्बन्धित निविदादाता द्वारा टैंकरों/ पिकअप वाहनों के रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत की जानी अनिवार्य है। जिसके अभाव में निविदा निर्गत नहीं किये जायेंगें।
7- किसी भी प्रकार की क्षति/दुर्घटना का दायित्व वाहन स्वामी का स्वयं का होगा।
8- निविदा के साथ रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का रसीद टिकट पर हस्ताक्षर सहित, शपथ पत्र के रूप में लगाना अनिवार्य होगा।
9- टैंकरों से पेयजल वितरण का भुगतान धन प्राप्त होने के पश्चात ही किया जायेगा।
10- अन्य शेष शर्तें निविदा प्रपत्र के अनुरूप होंगी।

अधिशासी अभियन्ता

संक्षिप्त समाचार

हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने को लेकर हुआ साहित्यिक कार्यक्रम

नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी के हिंदी विभाग की ओर से छात्र–छात्राओं में हिंदी साहित्य में प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो एके सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा को समृद्ध बनने और आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से हिंदी भाषीय कार्यक्रमों में बढ़कर प्रतिभाग करने को कहा।

एनएसएस शिविर शुरू

नई टिहरी। स्व फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय लंबगांव का सात दिवसीय एनएसएस शिविर का महाविद्यालय प्राचार्य प्रो राकेश कुमार ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. कुमार ने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुजा रावत ने शिविर में सात दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई। कहा कि इस दौरान स्वयं सेवी स्वच्छता अभियान, पौध रोपण, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य,नशा मुक्ति को लेकर जन जागरूकता अभियान और रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। कार्यक्रम सह संयोजक बलबीर सिंह चौहान ने स्वयं सेवकों को राष्ट्र सेवा का संकल्प की शपथ दिलाई। इस

वनाग्नि रोकथाम को लेकर प्रशासन सतर्क

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने की महत्वपूर्ण बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद में बढ़ते तापमान के साथ वनाग्नि की संभावित घटनाओं को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में गुरूवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में वन विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वनाग्नि की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान संचालित किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को वनाग्नि से होने वाले नुकसान और उससे बचाव के उपायों की जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों तथा ग्राम सभाओं की भी इसमें सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान वन संरक्षक रजत सुमन ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में वनाग्नि की रोकथाम और त्वरित नियंत्रण के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। इसके तहत विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में कुल 64 क्रू स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इन क्रू स्टेशनों पर प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जो किसी भी वनाग्नि की घटना पर तुरंत कार्रवाई कर सकें। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त क्विक रिस्पॉन्स टीमों का भी गठन किया गया है, जो वनाग्नि सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का कार्य करेंगी। साथ ही वन क्षेत्रों में नियमित गश्त के लिए गश्ती टीमों को भी सक्रिय किया गया है, ताकि समय रहते वनाग्नि की घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, अधिशासी अभियंता जल संस्थान अनीश पिल्लई, अधिशासी अभियंता जल निगम नवल कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आउटसोर्स कर्मचारियों का होगा भौतिक सत्यापन

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में तैनात आउटसोर्स कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन 17 मार्च से किया जाएगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सूचना परिपत्र जारी किया गया है। संयोजक प्रो. आरएस नेगी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विश्वविद्यालय में आउटसोर्स से तैनात कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। साथ ही वर्तमान में आउटसोर्स कर्मचारियों की आवश्यकता की व्यावहारिकता की भी जांच कर रिपोर्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी। इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों, सेल प्रभारियों और अनुभाग अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके अधीन कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों जिस विभाग, अनुभाग या सेल के लिए नियुक्त किया गया है वह वहां भौतिक रूप से उपस्थित रहे। (एजेंसी)

खुली बैठक में विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित

प्रशासक एडीओ पंचायत की अध्यक्षता में हुई ग्राम पंचायत डांगी की खुली बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : ग्राम पंचायत डांगी की खुली बैठक प्रशासक एडीओ पंचायत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 2026-27 के लिए विभिन्न विकास योजनाओं के प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में उप चुनाव में निर्वाचित हुए ग्राम पंचायत सदस्यों को एडीओ पंचायत प्रशासक द्वारा शपथ दिलाई गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरूवार को ग्राम पंचायत डांगी प्रशासक एडीओ पंचायत अरुण रावत की अध्यक्षता में खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायत वासियों की सहमति में 2026-27 की मनरेगा से जी राम जी योजना, राज्यवित्त आदि योजनाओं के प्रस्ताव में पारित किए गए। जिसमें ग्राम पंचायत निधि से जंगली जानवरों की सुरक्षा से बचने हेतु एकल घरों में सोलर लाइटें, सार्वजनिक शौचालय मरम्मत कार्य, ग्रीष्म ऋतु के चलते प्राकृतिक स्रोतों का रख-रखाव, पाइप लाइन मरम्मत, सड़कों पर बैंच, पंचायत भवन विद्युतीकरण, समाज कल्याण, बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, रिप आजीविका परियोजना के तहत समूहों को सशक्त बनाने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के क्रियान्वयन के लिए मास्टर प्लान बनाने पर सुझाव दिए गए। इस अवसर पर बाल विकास विभाग से श्रीमती माया राणा, ग्राम विकास अधिकारी दीपेश नेगी, प्रभारी प्रधानाचार्य राउमा विद्यालय डांगी श्रीमती नीलम बिष्ट, ग्राम पंचायत अधिकारी फुरकान अली, ब्लॉक कैंडिडेटर श्रीमती निशा रावत, आंगनबाड़ी कार्यकत्री रानेश्वरी देवी, आशा कार्यकत्री मीना देवी, वन पंचायत सरपंच श्रीमती मीना देवी आदि मौजूद रहे।

टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों का धरना जारी

नई टिहरी। टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों की फ्री बिजली–पानी उपलब्ध करने की मांग के लिए 13 वें दिन धरना जारी रहा। धरने पर बैठे लोगों ने शासन–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग उठाई। बौराड़ी के गणेश चौक में धरने की अगुवाई कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी ने कहा कि बांध विस्थापित और प्रभावित को टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रायल्टी की धनराशि से निशुल्क बिजली–पानी मिलना चाहिए। कहा कि हनुमंत राव कमेटी में टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावित को निशुल्क बिजली पानी दिए जाने का उल्लेख भी है। रायल्टी पर पहला अधिकारी टिहरी जिले का है। बताया आंदोलन को तेज करने के लिए नई टिहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से संपर्क किया जा रहा है। मांग शीघ्र पूरी नहीं होती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर मधु शर्मा, प्रतिमा रावत, रेखा नेगी, मो़ परवेज, अब्दुल शफीक, फिरोज खान, अफजल बेग, बुद्धिपाल सिंह आदि मौजूद थे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-22-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद डिवीजन में बंदरों को चढ़ने से रोकने वाले उपकरणों की व्यवस्था का प्रबंध करवाना (चरण-II)
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	02.04.2026, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	रु. 5,49,09,066.79/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	रु. 4,24,600/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (रु.)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि	09 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

सं.: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-23 दिनांक: 12.03.2026 833/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

पत्रांक : 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 11.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / मुख्यालय / मुरादाबाद द्वारा ई टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	318-DRM-MB-25-26 dt. 11.03.2026	325-DRM-MB-25-26 dt. 11.03.2026
Name of work	Renewal of 63 Nos Turnouts(3 No(s) 1 in 12 FS+CS+CMSC; 7 Nos 1 in 12 CS+CMSC; 31 Nos 1 in 8.5 CS+ CMSC; 01 No Diamond Xing single slip and 21 nos Trap)and other associated works and Deep screening work, removal of muck and other associated works in connection with Improvement of MB, CH, SSKA, MCV, KD, RJK, JRJ, GTF, SHTS, AFR, DUB, KEG, AO, BJ, DN, BTG, RGB, AUR yards under Sr. DEN/HQ/MB.	Improvement of Water supply arrangement at Chandausi, Raja Ka Sahaspur, Babrala, Rajghat Aonla.
Tender Closing Date Time	07.04.2026	07.04.2026
Advertised Value (Rs.)	3,43,62,020.62/-	2,81,83,854.76
Earnest Money (Rs.)	3,21,800.00	2,90,900.00
Tender Cost (Rs.)	00	00
Bidding Start Date	24.03.2026	24.03.2026
Period of Completion	06 Month	06 Month

829/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खाद्य एवं रसद व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष तैनाती

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने खाद्य एवं रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र देहरादून में विभिन्न अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही खाद्य एवं रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी एवं विशेषज्ञ उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य एवं रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

गूल मरम्मत और घेरबाड़ करने की किसानों ने डीएम से लगाई गुहार

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल ने ग्राम कोटीगाड़ के नौलीखाला नामे तोक में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए जिला योजना से निर्मित चेन लिंक फेंसिंग (घेरबाड़) कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि घेरबाड़ की कुल लंबाई 226.10 मीटर है, जिसके लिए गत वित्तीय वर्ष में जिला योजना से साढ़े 6 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे। इस फेंसिंग से गांव की लगभग 8 हेक्टेयर भूमि सुरक्षित हुई है। ग्रामीणों ने सिंचाई गूल की मरम्मत और शेष स्थानों पर घेरबाड़ कराने की मांग की, जिस पर डीएम ने इसे जिला योजना में प्रस्तावित कर कार्य कराने का आश्वासन दिया। कृषि विभाग द्वारा इसी तोक में 1 एकड़ भूमि पर लाइनिंग सिस्टम से गेहूं की बुवाई भी की गई है।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : मुख्य अभियंता

मुख्य अभियंता ने बदानी ताल सौंदर्यीकरण व आरसेटी भवन निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विभु विश्वामित्र रावत ने गुरूवार को जनपद रुद्रप्रयाग में संचालित बदानी ताल सौंदर्यीकरण कार्य तथा आरसेटी भवन, रुद्रप्रयाग के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्माण मानकों का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता की तकनीकी विशेषज्ञ टीम द्वारा निर्माण कार्यों में उपयोग हो रहे मटेरियल की टेस्टिंग भी की गई, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। प्रमुख अभियंता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, गुणवत्ता के साथ

तथा तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर तकनीकी टीम में अधिशासी अभियंता (मुख्यालय) मुकेश भट्ट, सहायक अभियंता एल.पी. भट्ट, अधिशासी अभियंता रुद्रप्रयाग डॉ. मीनल गुलाटी, सहायक अभियंता सुशील तिवारी, अरुण गुसाईं सहित अन्य अपर सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे।

एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता, कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। जिला प्रशासन की ओर से उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों या आशंकाओं से बचें तथा घबराहट में आकर अनावश्यक गैस बुकिंग न करें। प्रशासन ने कहा कि जनपद में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और सभी उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसलिए अनावश्यक रूप से अतिरिक्त गैस बुकिंग करने की आवश्यकता नहीं है।

गुरूवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा द्वारा विकास भवन सभागार में जिला पूर्ति विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और इसकी आपूर्ति पूरी तरह सुचारु रूप से जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा सभी गैस एजेंसियां निर्धारित मानकों के अनुरूप ही उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला पूर्ति विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या जमाखोरी को लेकर गंभीरता से लिया जाए। इसके लिए पूर्ति विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीमों का गठन कर नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी या कालाबाजारी पाई जाती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैस एजेंसियों की कार्य प्रणाली पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समय-समय पर औचक निरीक्षण भी किए जाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्लोगन प्रतियोगिता में सुनैना रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण नमामि गंगे इकाई, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'जल महोत्सव' पखवाड़े के अंतर्गत जल ही जीवन इसे बचाएं विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी अद्भुत कला एवं लेखन का प्रदर्शन किया और जल संरक्षण के प्रति अपने दृष्टिकोण और रचनात्मकता को खूबसूरती से उजागर किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. भुवन मेलकानी एवं परिणाम संकलन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक रावत शामिल थे। प्रतियोगिता में बीए की छात्रा सुनैना, दुर्गावती, ज्योति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने कहा कि छात्रों को इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. बचन सिंह ने किया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी०एस०टी० व ई०पी०एफ० में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हों) दिनांक 02.04.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 01.04.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
26/2025–26	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम कोटद्वार के अन्तर्गत दुगड्डा अनुभाग के लालपुर फीडर में एबी केबिल को बदलने का कार्य।	26000.00
27/2025–26	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम कोटद्वार के अन्तर्गत दुगड्डा अनुभाग के निम्बूचौड फीडर में एबी केबिल को बदलने का कार्य।	26000.00
28/2025–26	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय कोटद्वार के कस्याली अनुभाग के विभिन्न स्थानों पर जीर्ण–शीर्ण/क्षतिग्रस्त पोलों को बदलने का कार्य।	17000.00
29/2025–26	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय कोटद्वार के मवाखाल अनुभाग के विभिन्न स्थानों पर जीर्ण–शीर्ण/क्षतिग्रस्त पोलों को बदलने का कार्य।	15000.00

पत्रांक : 884/विविखको/टी–6
दिनांक : 12.03.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

किसान दिवस में छाया रहा जंगली जानवरों का मुद्दा

नई टिहरी। ब्लॉक सभागार में डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसानों ने जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों ने बताया कि बंदर, जंगली सूअर और अन्य वन्यजीव लगातार खेतों में घुसकर फसलों को नष्ट कर रहे हैं, जिससे खेती करना कठिन होता जा रहा है। किसानों का कहना था कि मेहनत और लागत लगाने के बावजूद फसल सुरक्षित नहीं रह पा रही है, जिससे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। किसानों ने खेतों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय किए जाने की मांग की। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि जिला योजना के माध्यम से कई ग्राम पंचायतों में तारबाड़ का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि जाल, एंगल और सीमेंट–कंक्रीट के कार्यों में अधिक खर्च आने के कारण सीमित क्षेत्र में ही यह काम हो पा रहा है। इस पर डीएम खंडेलवाल ने सुझाव दिया कि खेती की सुरक्षा के लिए तार और एंगल कृषि विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएं, जबकि सीमेंट–कंक्रीट का कार्य ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत के माध्यम से किसी भी योजना के तहत कराया जा सकता है। इससे अधिक गांवों और किसानों को इसका लाभ मिल सकेगा।

रमोलसारी गांव के प्रधान कमल चौहान ने बताया कि उनके गांव में अधिकांश भूमि सिंचित है। गेहूं, धान, राजमा, हल्दी, दलहन, नींबू और मौसमी सब्जियों का उत्पादन होता है, लेकिन जंगली जानवर अक्सर फसलों को नष्ट कर देते हैं। इससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। वहीं बैलगांव के पूर्व प्रधान पवन सिंह ने बताया कि क्षेत्र में दलहन की खेती की जाती है, लेकिन जानकारी के अभाव में कई बार फसलें रोगों का शिकार हो जाती हैं। उन्होंने समय पर दवा उपलब्ध कराने और किसानों को प्रशिक्षण देने की मांग की। कृषि विभाग के वैज्ञानिकों ने किसानों को फसलों को रोगों से बचाने के उपायों और आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी दी। किसानों को तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से सक्षम बनाने तथा आय बढ़ाने के लिए भी सुझाव दिए। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र भंडारी, पूर्व प्रमुख जोत सिंह बिष्ट, ज्येष्ठ उपप्रमुख सुनीता राणा, कनिष्ठ प्रमुख सविता बनाली, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मुलायम सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य सुनील जुयाल, खंड विकास अधिकारी स्नेह नेगी आदि मौजूद रहे।

एलपीजी गैस पर सदन में हंगामा, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के आदेश

चमोली। विधानसभा सत्र के चौथे दिन सदन में एलपीजी आपूर्ति के मुद्दे पर हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने पीठ से सरकार को एलपीजी की कालाबाजारी रोकने पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। सदन में चर्चा न करने पर विपक्ष ने विरोध किया। इससे सदन की कार्यवाही 45 मिनट तक स्थगित रही। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने नियम 310 पर प्रदेश में गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी और जमाखोरी का मुद्दा उठाया। विस अध्यक्ष ने इस सूचना को नियम 58 में भोजनावकाश के बाद सुनने का विनिश्चय दिया। तीन बजे सत्र शुरू होने पर संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने एलपीजी की आपूर्ति केंद्र सरकार का विषय है। लिहाजा इस पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में जिस तरह की परिस्थिति है, उससे केंद्र सरकार ने व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक लगाई है। घरेलू एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है।सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने चर्चा की मांग करते हुए विरोध किया। विपक्ष ने कहा पीठ से जब नियम 310 पर विनिश्चय दिया गया तो सरकार चर्चा करने से क्यों भाग रही है। प्रदेश भर में एलपीजी गैस के लिए लाइनें लग रही है। लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालकों को एलपीजी सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं।

ग्राम सभाओं की खुली बैठकों से आए प्रस्तावों से बनेंगी सिंचाई गूल

नई टिहरी। सिंचाई गूलों के निर्माण के लिए ग्राम सभाओं की खुली बैठकों से प्राप्त प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ जिला योजना में शामिल किया जाएगा। डीएम प्रशांत आर्य ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग इस बार जिला योजना में ऐसी योजनाएं शामिल करें जिनसे किसानों को सीधे लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने बृहस्पतिवार को लघु सिंचाई एवं लघु डाल खंड विभाग के अंतर्गत संचालित कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि किसान आजीविका की रीढ़ हैं। सिंचाई गूलों के निर्माण के लिए ग्राम सभाओं की खुली बैठकों से प्राप्त प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ योजना में शामिल किया जाए, ताकि किसानों को सिंचाई की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके।

टिहरी के अस्पतालों को जल्द मिलेंगे 21 नए डॉक्टर, छह ने किया ज्वाइन

नई टिहरी। टिहरी जिले के सरकारी अस्पतालों को जल्द ही 21 नए डॉक्टर मिलने वाले है। इसमें से छह ने छह डॉक्टरों की तैनाती की जा चुकी है। इसके बाद भी जिले में 12 डॉक्टरों के पद रिक्त चल रहे है। महिला रोग विशेषज्ञ और रेडियोलॉजिस्ट की जिले में सबसे अधिक कमी बनी हुई है। टिहरी जिले में डॉक्टरों के कुल 234 पद स्वीकृत है। इसके सापेक्ष वर्तमान में 201 डॉक्टर कार्यरत है। जिले में 21 नए डॉक्टरों की तैनाती होने से यह संख्या बढ़कर 222 तक पहुंच जाएगी। सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने बताया कि जिले को जो नए 21 डॉक्टर मिलने जा रहे है उसमें से छह डॉक्टरों ने जिले में ज्वाइन कर लिया है। शेष 15 डॉक्टर भी आगामी एक सप्ताह के अंतर्गत कार्यभार ग्रहण कर लेगे। नए डॉक्टरों को दूरस्थ अस्पतालों में तैनाती दी जा रही है। जिले में महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों और रेडियोलाजिस्ट की सबसे अधिक कमी बनी हुई है। फिलहाल एक ही रेडियोलाजिस्ट कार्यरत है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com